B.A. I

वनस्पति → यहा नुकीली पत्ती वाले तथा सदावहार कोणधारी बन पाये जाते है। भाग मे कम वर्षा के कारण वृक्षो के स्थान पर घास अधिक मिलती है। वृक्षो मे विविधता बहुत कम पायी जाती है। स्प्रूस - फर, लार्च पाइन आदि प्रमुख वृक्ष है।

प्राणी → बर्फीले धरातल के कारण सरीसृप बहुत कम पाये जाते है। मुख्यत समूर वाले जन्तु जैसे → खरगोश लोमड़ी सेबिल गिलहरी आदि पाये जाते है।

मानव → कठोर जलवायु दशाओ के करण मानवीय गतिविधियां सीमित मात्रा मे पाई जाती है। दक्षिण की ओर सीमावर्ती बनो को सीमित मात्रा मे साफ किया गया है। यहा लकड़ी काटना एक प्रमुख व्यवसाय है। जनसंख्या घनत्व बहुत कम है।

सवन्ना जीवोम –

सथीति → सवन्ना घास प्रदेश कर्क रेखा से मकर रेखा के मध्य स्थित है। स्थलीय भू भाग का एक चौ चौथाई भाग घेरे हुए है। उष्ण कटिबन्धीय अफ्रीका दक्षिणी अमेरिका दक्षिणी पूर्वी एशिया तथा पूर्वी आस्ट्रेलिया के भाग इसमे समलित है।

जलवायु → उष्ण जलवायु पाई जाती है। जिसमे मौसमी भिन्नता बहुत कम है। वर्षा का औसत 25 सेमी से लेकर 150सेमी तक है। किन्तु इसमे प्रादेशिक भिन्नता बहुत अधिक पायी जाती है। वर्षा मुख्यत: वसन्त या ग्रीष्म मे होती है।

वनस्पति → यहा लम्बी घास के विस्तृत मैदानो से लेकर पर्णपाती मानसून वन पाये जाते है। जल धाराओ के सहारे पट्टीनुमा वन पाये जाते है।

प्राणी → यहा बहुत बड़ी संख्या मे घास पर निर्भर जन्तु पाये जाते है। इनमे जेब्रा कंगारू जिराफ एण्टीलोप हाथी आदि प्रमुख →

मानव → प्राकृतिक घास भूमियों व पतझड़ वनो को मानव द्वारा निरंतर साफ करके कृषि व उन्नत पशु पालन व्यवसाय किया जा रहा है।

मानसूनी एशिया के बाढ़कृत मैदानो पर जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है।

5→ भूमध्य सागरीय जीवोम →

स्थिति → ये महाद्वीपो के पश्चिमी भागो मे 30° से 45° अक्षांशो के मध्य पाये जाते है। सर्वाधिक विस्तार भूमध्य सागर के चारो ओर तथा दक्षिणी आस्ट्रेलिया है।

जलवायु → यहा की जलवायु उष्ण शीतोष्ण तथा मध्यम है। ग्रीष्मकाल प्राय: शुष्क होता है।

प्राचार्य
मीरा मैमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया